

127.
993

कलात्मक निर्याद

कलात्मक लिखाई

विज्ञापन और प्रचार के क्षेत्र में भाषा के दृश्य-रूप का बहुत महत्व है। संसार के कई देशों में इसके प्रभाव को स्वीकार किया गया है। अक्षरों की बनावट, उनकी कलात्मकता और रूप-सजा का विज्ञापन की सुन्दरता पर बहुत प्रभाव पड़ता है। अंग्रेजी तथा विश्व की दूसरी समृद्ध भाषाएँ, मुद्रण-कला और कलात्मक अक्षरों के विन्यास में बहुत आगे बढ़ चुकी हैं। अमेरिका, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान जैसे देशों में विज्ञापन और प्रचार के लिए अक्षरों का चयन इस बात को दृष्टि में रखकर किया जाता है कि वांछित सन्देश को वे सशक्त रूप में पहुंचा सकें तथा उसके पीछे जो भावना है, वह अक्षरों के रूप-रंग और आकार से भी झलक जाये। उन देशों के पोस्टर, होर्डिंग, नियन-साइन और डिस्पले बोर्डों को देख कर इसका सही अंदाजा लगाया जा सकता है कि

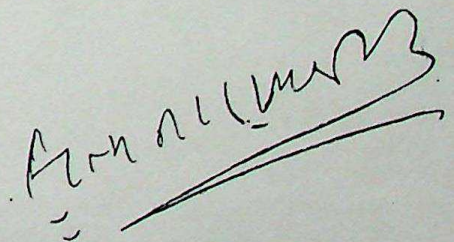
वहाँ अक्षरों के कलात्मक रूप का कितना विकास हो चुका है। उन अक्षरों को देख कर लगता है जैसे वे बोल रहे हों। उल्लास, खुशी, हंसी का सन्देश हो तो अक्षर भी वैसे ही होते हैं, और यदि शोक, दुःख, करुणा या भय का प्रदर्शन करना हो तो उसी भावना के अनुकूल अक्षरों का प्रयोग किया जाता है।

भारत सरकार के विज्ञापन और दृश्य-प्रचार निदेशालय ने नागरी लिपि में कलात्मक अक्षरों के आकार प्रकार के संबन्ध में कुछ प्रयोग किये हैं। ये डिजाइन विज्ञापन और प्रचार के काम में लगे हुए विभिन्न लोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किये गये हैं। साइन बोर्ड बनाने वाले, होर्डिंग, पोस्टर, नियन-साइन और दूसरे प्रकार की प्रचार सामग्री तैयार करने वाले लोगों की आवश्यकता शायद इनसे पूरी हो सके।

विज्ञापन और प्रचार में आकर्षण और रूप-सजा के साथ साथ स्पष्टता का होना भी बहुत आवश्यक है। विज्ञापन, होर्डिंग, पोस्टर, नियन-साइन सभी प्रचार माध्यमों के अक्षरों में सन्देश वहन की सामर्थ्य होनी चाहिए। इन सारी बातों को ध्यान में रखकर विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने यह प्रयास किया है। कलात्मक अक्षरों के विकास के क्षेत्र में इस निदेशालय का यह प्रारंभिक प्रयास प्रशंसनीय है।

अड़तालिस पृष्ठों की इस पुस्तिका में विभिन्न परिवारों और लक्षणों के अक्षर समूह को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया है। विभिन्न कला-अक्षरों की इस रचना से नागरी लिपि और हिन्दी की श्री-वृद्धि हो सकेगी तथा प्रचार कार्य में लगे कलाकारों को कुछ लाभ हो सकेगा, ऐसी हमारी आशा है। कलाकार या मुद्रित अक्षर ढालने वाले लोग अपनी जरूरत के मुताबिक इन अक्षरों को छोटा या बड़ा बना सकते हैं। इनसे प्रेरणा लेकर वे इसी प्रकार के दूसरे अक्षरों का भी निर्माण कर सकते हैं।

मराठी भाषा की लिपि भी नागरी ही है। इसलिए, आशा है, मराठी भाषी भी इन अक्षरों के विकास से लाभ उठा सकेंगे। इसी प्रकार नेपाली की लिपि भी नागरी है। इस कारण नेपाल में भी इस पुस्तक का स्वागत होगा। बंगला, गुजराती आदि भाषाओं की लिपियाँ भी नागरी लिपि से बहुत भिन्न नहीं हैं। आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर उन भाषाओं के लिए भी इस पुस्तक के संकेत से लाभ उठाया जा सकता है। आशा है, इन कारणों से इस पुस्तक का स्वागत किया जाएगा और इस क्षेत्र में कलाकारों को और अधिक काम करने की प्रेरणा मिलेगी।



मंत्री

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार

अ ई उ ऋ ए क ख ग
घ च छ ज भ ट ठ
ड ढ ण त थ द ध
न प फ व भ म य
र ल व श ष स ह

लक्षत्रज्ञाश्र
ल ए श णी ॥ १ ॥

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग
देश की एकता व समृद्धि के
लिए आवश्यक है

अईउएकखग
घचछजझटठ
डढणतथदध
नपफबभमय
रलवशषसह

लक्ष्मणभक्त
श्री गुरुदेव

राष्ट्र-भाषा हिन्दी का प्रयोग
देश की एकता व समृद्धि के
लिए अत्यन्त आवश्यक है।

अइउएकखगघ
चछजझटठडढ
णतथदधनपफ
बभमयरळवश

षसहळक्ष त्रिंशत् लएशति ११११

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग देश की
एकता व समृद्धि के लिए
अत्यन्त आवश्यक है

अ इ उ ए क ख ग घ च
छ ज झ ट ठ ड ढ ण त
थ द ध न प फ ब भ म
य र ल व श ष स ह क

क्षेत्र जल एशिया

राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रयोग
देश की एकता व समृद्धि के लिए
परमावश्यक है

अ ई ऊ ए क ख ग घ
च छ ज झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न प फ
ब भ म य र ल व श

षसहळनत्रज्ञश्र लएशतीतुतौग्र

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग
देश की एकता व समृद्धि के
लिए अत्यन्त आवश्यक है

अ इ उ ए क ख ग घ
च छ ज झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न प फ
ब भ म य र ल व श

ष स ह ळ क्ष त्र ज्ञ श्र
ल ए श णी णू णू णै

राष्ट्र भाषा हिन्दी का
प्रयोग देश की एकता व
समृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है

अ	इ	उ	ए	क	ख	ग	घ
च	छ	ज	झ	ट	ठ	ड	ढ
ण	त	थ	द	ध	न	प	फ
ब	भ	म	य	र	ल	व	श

ष स ह क क्ष त्र ज झ
ल रा शी इ ई ओ श्र

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग
देश की एकता व समृद्धि के लिए
परमावश्यक है

अ इ उ ए क ख ग घ
च छ ज झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न प फ
ब भ म य र ल व श

प सह लक्षत्रज्ञभ
ल ए श नि नू नै श्र

राष्ट्र भाषा हिन्दी का
प्रयोग देश की एकता व
समृद्धि के लिए अत्यन्त आवश्यक है

ଅନ୍ତରାଳପଦ୍ୟ
ପଦ୍ୟଗୁଣାଦିରନ୍ତର
ପାତ୍ରପଦ୍ୟଗପଦ୍ୟ
ସମସ୍ୟାରୁପଦ୍ୟ

पसदेकक्षेत्रम्
लएशानि ॥ १ ॥

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग देश की
एकता व समृद्धि के लिए
अत्यन्त आवश्यक है

अ इ उ ए क ख ग घ
च छ ज झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न प फ
ब भ म य र ल व श

ए सह लक्षत्रज्ञभ
लणशति ॥ ॥ ॥ श

राष्ट्र भाषा हिन्दी का प्रयोग

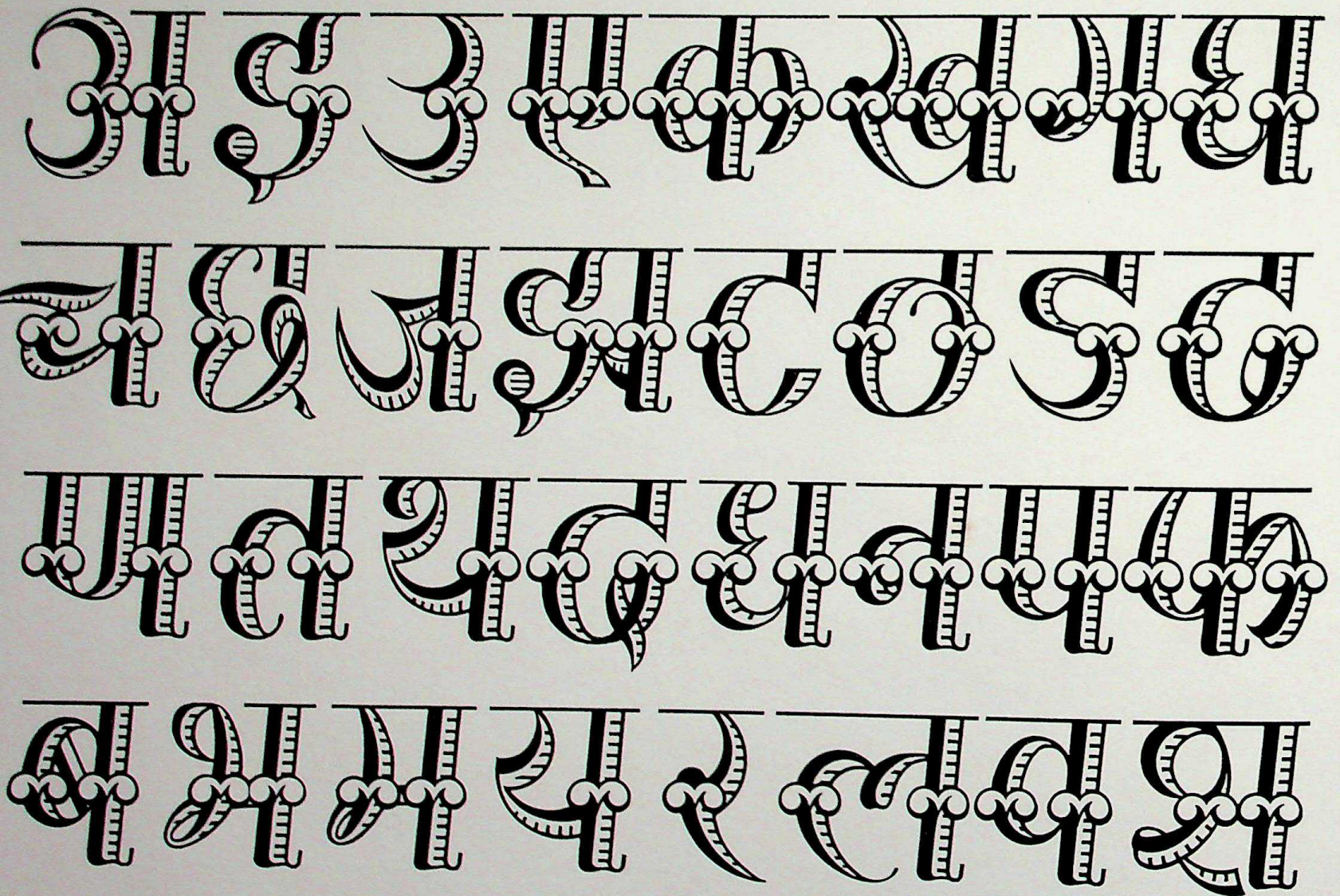
देश की एकता व समृद्धि

के लिये परमावश्यक है

அஃ ன் ன் ன் ன் ன் ன்
வ ன் ன் ன் ன் ன் ன்
வ ன் ன் ன் ன் ன் ன்
வ ன் ன் ன் ன் ன் ன்

व स ह क क्ष त न भ
ल ए श ण णू णै श्च

राष्ट्र भाषा हिन्दी का
प्रयोग देश की एकता व
समाधि के लिए अत्यन्त आवश्यक है



अ इ उ ए क ग
ख घ च छ ज
झ ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न प
फ ब भ म य र

ल व श ष स
ह क क्ष त्र ज्ञ
झ णि णू णी णि श्री

राष्ट्र भाषा हिन्दी का
प्रयोग देश की एकता व
समृद्धि के लिए अन्यान्य
आवश्यक है

अइउएक खग
घचछजझट
ठडढणातथद
धनपफवभम

य र ल व श ष स
ह क क्ष त्र ज ल श
॥ १ ॥ ए श्र

अइउएकख
गघचछजझट
ठडढणतथ
दध्नपफब

भमयर लवश
षसहक्षत्र झ
लक श्री गुरुर्ग

अ ई ऊ ँ क ख ग घ
च छ ज झ ट ठ ड ढ
ण त थ द ध न प फ
ब भ म य र ल व श

पसहळक्षत्रज्ञभ
ल ए शी ॥ १ ॥ श्री

राष्ट्र-भाषा हिन्दी का प्रयोग देश
की एकता व समृद्धि के लिए
अत्यन्त आवश्यक है

तुम्हारी बगिया में
ऊँची सज्जन पानी
दुनिया में हलचल
सोचते रहोगे आकर्षण-
आराम पाइये ! गुलाब

सुगंध

रुक्मिका

नवीनतम

पंखड़ियों-भी मलाम

कहानी

लोकप्रिय

मुलायम...

कपड़े बनाते हैं !

सुरक्षा के लिए

आकर्षक व्यक्तित्व

शामिल हो जाओ!

अच्छी योजना के बारे में
कमल उत्कृष्ट है! कितना
फर्क पड़ता है ? मुस्वीबत
सुंदर रहस्य छायांकन

विश्वास सर्वोत्तम
अधिक मेरा प्रिय
आपके बच्चे नर्तक
लोगों का विशिष्ट प्रेय !

ऊँचा नाम! शक्तिशाली
करने वाले भारत का
इसे कहना चाहिए जरूरी
रहने की उमंग

उत्तमशर्बत संदेश क्या था ?
तैसै लजा... नखनामिराम
एक सन्देश ! महाजन
आलौखी दुनिया परशुराम

खुशियां ! इसीसे मुझे

आप के बच्चों की सबसे
व्यवस्थित गृहस्थी प्रकाशज
डिल्ली में क्या है विश्वास



Designed and produced by the Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of I. & B., Govt. of India
and printed by M/s. G. Claridge & Co. Ltd., Bombay.

